Bharti Foundation

airtel

भारती फाउंडेशन ने झारखंड में स्कूल सुधार कार्यक्रम शुरू किया

- **झारखंड सरकार के साथ साझेदारी में 125 सत्या भारती शिक्षण केन्द्र स्थापित करने की योजना**
- **संयुक्त पहल का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षित करना तथा मुख्य धारा में लाकर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना**

राँची, 14 नवम्बर 2015: भारती इंटरप्राइजेज की विकासात्मक शाखा भारती फाउंडेशन ने झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) के सहयोग और मार्गदर्शन में झारखंड राज्य में 'सत्या भारती शिक्षण केन्द्र' की शुरूआत की घोषणा की। इस पहल के तहत भारती फाउंडेशन सरकारी स्कूल के 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की पहचान तथा उन्हें प्रशिक्षण देने में मदद करेगा। इस कार्यक्रम के उद्घाटन के मौके पर भारती फाउंडेशन के सह अध्यक्ष श्री राकेश भारती मित्तल, सांसद श्री निशिकांत दूबे, भारती फाउंडेशन के सीईओ श्री विजय चड्ढा, सरकार के गणमान्य व्यक्ति और भारती फाउंडेशन के अधिकारी मौजूद थे।

झारखंड के गोड्डा के सांसद श्री निशिकांत दूबे ने कहा कि जेईपीसी तथा भारती फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हजारों बच्चों को अनूठा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में भारती फाउंडेशन के आ जाने से मैं आशान्वित हूँ कि स्कूली शिक्षा से वंचित हजारों छात्रों का भविष्य उज्जवल होगा।

इस मौके पर भारती फाउंडेशन के सह अध्यक्ष श्री राकेश भारती मित्तल ने कहा कि भारती फाउंडेशन वंचित बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए मदद करने को प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुझे दृढ़ विश्वास है कि सत्या भारती शिक्षण केन्द्र कार्यक्रम शिक्षा के कुशल वितरण को सुनिश्चित करने तथा इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए स्कूल से वंचित बच्चों को प्रोत्साहित करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राजस्थान और मध्य प्रदेश में सफलतापूर्वक चल रहा है और हम तीसरे राज्य झारखंड में इसे लागू करने का काम शुरू कर खुश हूँ। इस मौके पर मैं मदद करने के लिए झारखंड सरकार को धन्यवाद देता हूँ तथा मुझे विश्वास है कि इस साझेदारी से आने वाले समय में हजारों छात्र लाभान्वित होंगे।

सत्या भारती शिक्षण केन्द्र कार्यक्रम अभी झारखंड के गोड्डा, दुमका, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में लागू किया जा रहा है तथा जल्दी ही देवघर जिले में भी लागू किया जायेगा। कार्यक्रम की योजना झारखंड के पाँच जिलों के 2200 वंचित छात्रों के लिए 125 सत्या भारती शिक्षण केन्द्र संयुक्त रूप से स्थापित करने की है। अभी चार जिलों में 89 सत्या भारती शिक्षण केन्द्र चल रहे हैं जिनमें 2000 से ज्यादा छात्र नामांकित हैं।

Bharti Foundation

airtel

सत्या भारती शिक्षण केन्द्र कार्यक्रम राजस्थान और मध्य प्रदेश में सफलतापूर्वक चल रहा है जहाँ करीब 9000 बच्चों को सरकारी स्कूलों की मुख्य धारा में शामिल किया गया है। अभी तक कुल 20000 से अधिक बच्चों को इस कार्यक्रम का लाभ मिला है।

सत्या भारती स्कूल कार्यक्रम शुरू करने के पीछे मार्गदर्शन यह है कि वंचित को शिक्षा देने के लिए स्कूल खोला जाये तथा उन्हें उत्कृष्टता के लिए ज्ञान दिया जाये। भारती फाउंडेशन अपने पार्टनर सरकारी स्कूलों से भी इसी तरह के दर्शन की आशा करता है।

सत्या भारती स्कूल कार्यक्रम : सत्या भारती स्कूल कार्यक्रम छात्रों को शिक्षित, विश्वासी, जिम्मेदार और भारत के आत्मनिर्भर नागरिक बनाने तथा गहरी भावना के साथ अपने समाज के लिए प्रतिबद्धता की कल्पना पर काम करता है। इस कार्यक्रम की पहुंच बहुआयामी है जो ग्रामीण समुदायों को सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है, छात्रों के माता–पिता और उनके समान संगठन भारत में शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। अभी 254 प्राइमरी/एलीमेंट्री स्कूल और पाँच सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल पंजाब, राजस्थान उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चल रहे हैं जिनमें करीब 40,859 बच्चे शिक्षा ले रहे हैं तथा 1652 शिक्षक रोजगार पा रहे हैं। बच्चियों (49 प्रतिशत छात्राएं), समाज के कमजोर वर्ग (एससी/एसटी/ओबीसी समुदायों में 75 फीसदी) को फोकस करते हुए, यह कार्यक्रम देश में किसी कारपोरेट ग्रुप द्वारा सबसे बड़ी शिक्षा की पहल है।

क्वालिटी सपोर्ट प्रोग्राम : यह पहल सरकारी प्रणाली के साथ काम कर रही है और जरूरत के आधार पर हस्तक्षेप के माध्यम से स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार की परिकल्पना करता है। भारती फाउंडेशन ने सरकारी स्कूलों में स्कूली अनुभव की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सत्या भारती स्कूलों से सीखो और सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य सरकारी स्कूलों को पार्टनर बनाना है और उसके नेतृत्व और शिक्षकों के साथ काम कर उत्कृष्टता की यात्रा को पाने में मदद लेना है। अभी 25 स्कूल कार्यान्वयन में चल रहे हैं जिसमें 12,722 छात्र और 526 शिक्षक कार्यरत हैं।

सत्या भारती अभियान : भारती फाउंडेशन ने पंजाब में ग्रामीण घरेलू स्वच्छता सुविधाओं में सुधार के लिए एक बड़ी पहल 'सत्या भारती अभियान' शुरू की है। 2014 के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में कॉरपोरेट सेक्टर के लिए प्रधानमंत्री के स्वच्छता पर आह्वान से प्रेरित होकर फाउंडेशन ने लुधियाना जिले को अपनाने का फैसला किया जो स्थापना करने वालों का जिला है कार्यक्रम के एक भाग के रूप में फाउंडेशन अगले तीन साल में जिले भर के 900 गाँवों में शौचालयों के निर्माण पर 100 करोड़ रुपये खर्च करने को प्रतिबद्ध है। ग्रामीण घरेलू स्वच्छता के अलावा सत्या भारती अभियान लुधियाना के ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय बनाने पर खर्च करेगा जहां ये सुविधाएं अभी नहीं हैं। अभी लुधियाना जिले में 263 गाँवों के 6,682 लोगों को घरेलू शौचालय बनाकर उन्हें सुपुर्द किया गया है जिससे 33,286 लोग लाभान्वित होंगे।

इस अवसर पर श्री राकेश भारती मित्तल, श्री विजय चड्ढा, माननीय सांसद, गोड्डा, श्री निशिकान्त दूबे, माननीय समाज कल्याण मंत्री, डॉ. लुइस मरांडी, माननीय कृषि मंत्री, श्री रणधीर सिंह, सुश्री अमृता रक्षित, अध्यक्ष, नगर परिषद्, दुमका, माननीय विधायक, देवघर, श्री नारायण दास, श्री समीर नागपाल, सेल्स हेड, भारती एयरटेल लिमिटेड, बिहार एवं झारखंड भी उपस्थित थें।

❖❖❖